दादाजी का छाता

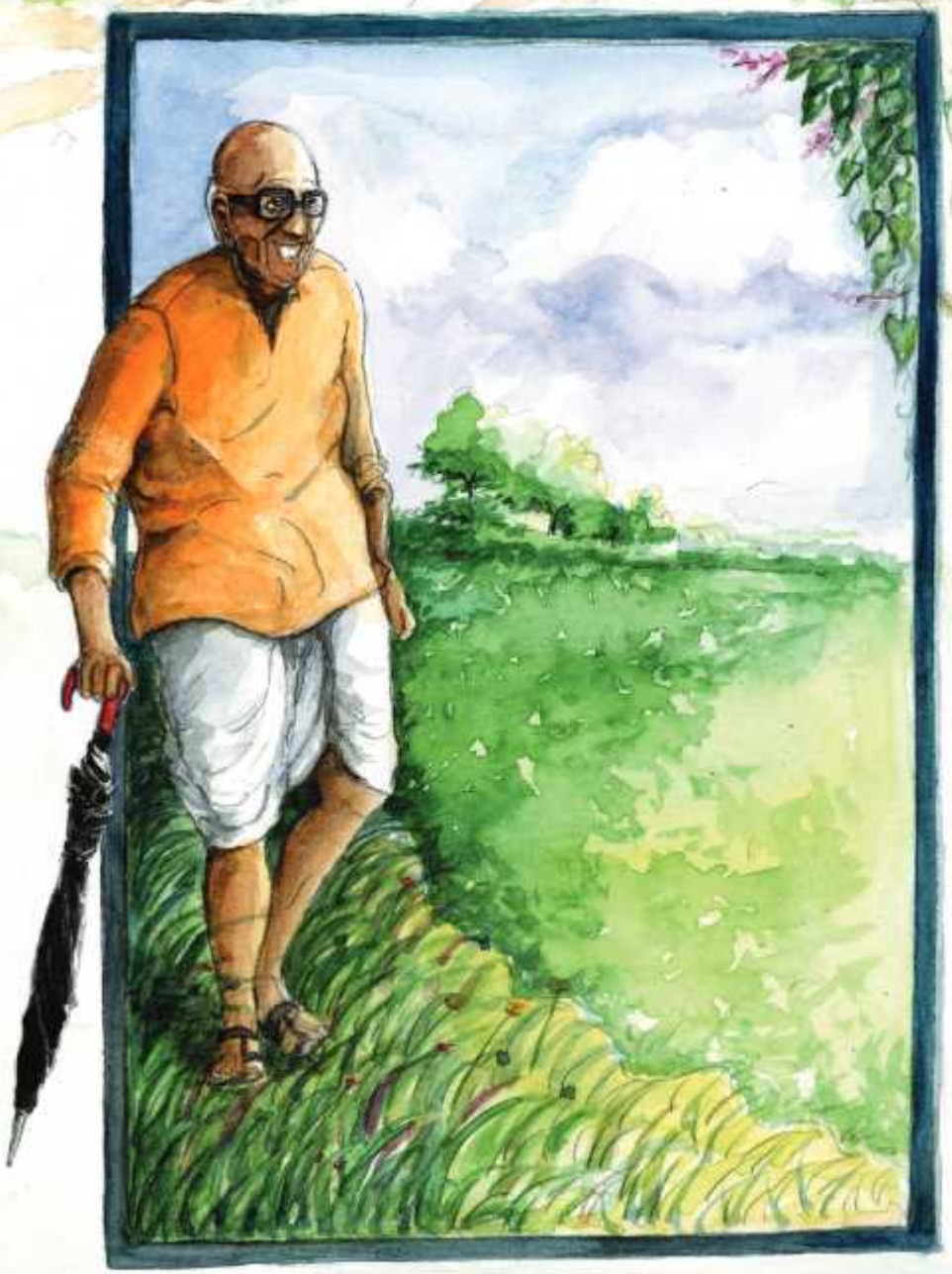

लेखकः बिन्दु गुप्ता
चित्रकारः देबारती सादा

Room to Read

रूम टू रीड, साक्षरता और शिक्षा में लैंगिक समानता को केंद्र में रख कर विकासशील देशों के लाखों बच्चों की ज़िंदगियों में बदलाव के लिए प्रयासरत है। हम स्थानीय समुदायों, सहयोगी संस्थाओं और सरकारों के साथ मिलकर प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में साक्षरता कौशल और पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए काम करते हैं तथा बालिकाओं को माध्यमिक शिक्षा पूरी करने में, जीवन कौशलों को विकसित करते हुए, मदद करते हैं। ताकि वे आगे की पढ़ाई जारी रख सकें और जीवन में सफल हो सकें।

Room to Read seeks to transform the lives of millions of children in developing countries by focusing on literacy and gender equality in education. Working in collaboration with local communities, partner organizations and governments, we develop literacy skills and a habit of reading among primary school children, and support girls to complete secondary school with the relevant life skills to succeed in school and beyond.

दादाजी का छाता

Grandpa's Umbrella

Copyright © Room to Read 2020.
All rights reserved.
Room to Read India Trust,
Office No. 201E (B), 2nd floor, D-21 Corporate Park,
Sector-21, Dwarka, New Delhi-110075
www.roomtoread.org

प्रकाशक की लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक का कोई भी अंश पुनःमुद्रित नहीं किया जा सकता है।

No part of this publication may be reproduced in whole or in part or stored in a retrieval system, or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording, or otherwise, without written permission from the publisher.

समर्पित | Dedication

इस किताब का बनना रूम टू रीड के उदार दानदाताओं के कारण संभव हो पाया है।

This book was made possible by the generous donors of Room to Read.

Visit us at https://literacycloud.org/ to read more books Online

दादाजी का छाता

लेखकः बिन्दु गुप्ता
चित्रकारः देबारती सादा

जहाँ-जहाँ वे जाएँ, साथ-साथ जाता
दादाजी का छाता।

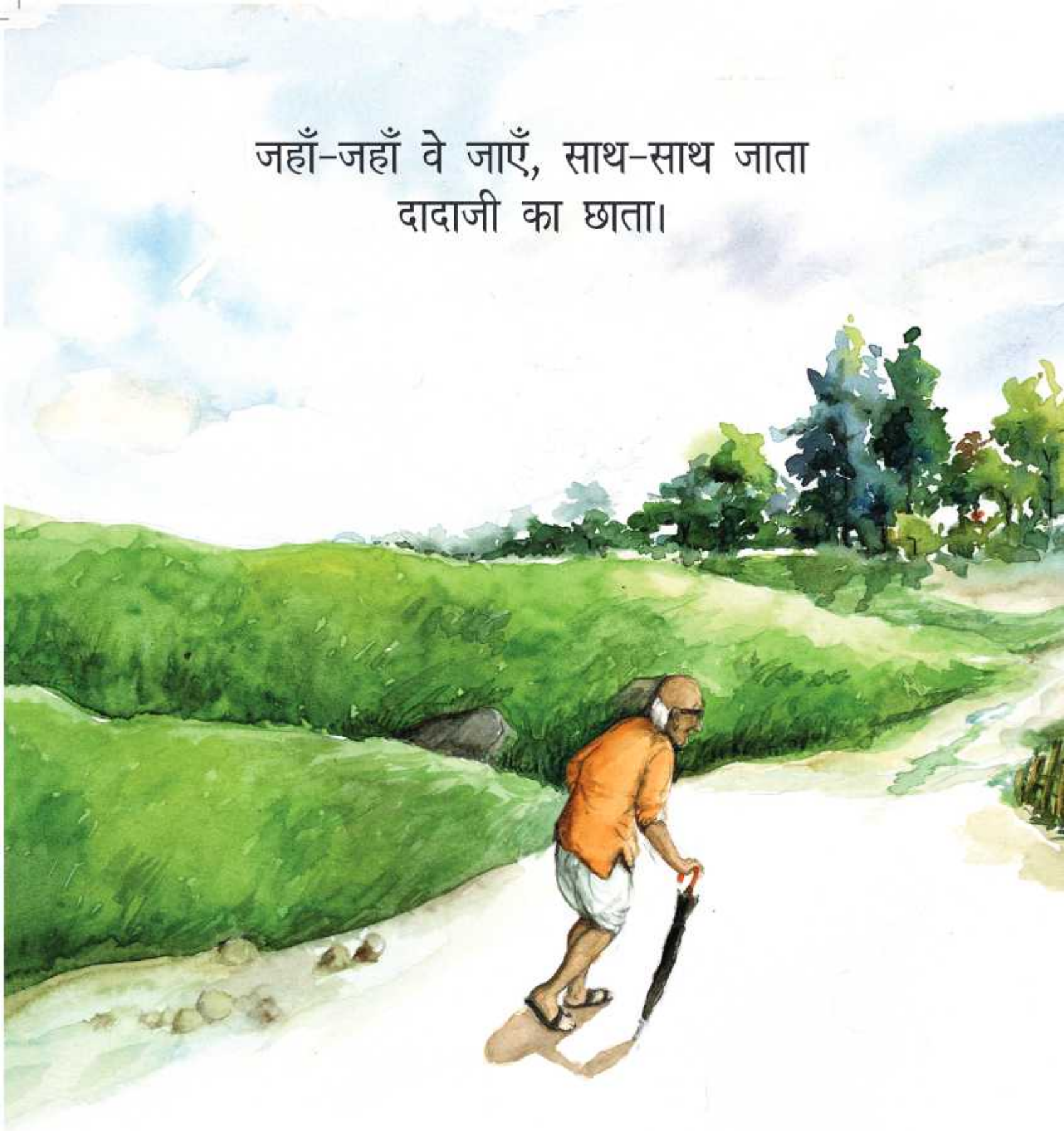

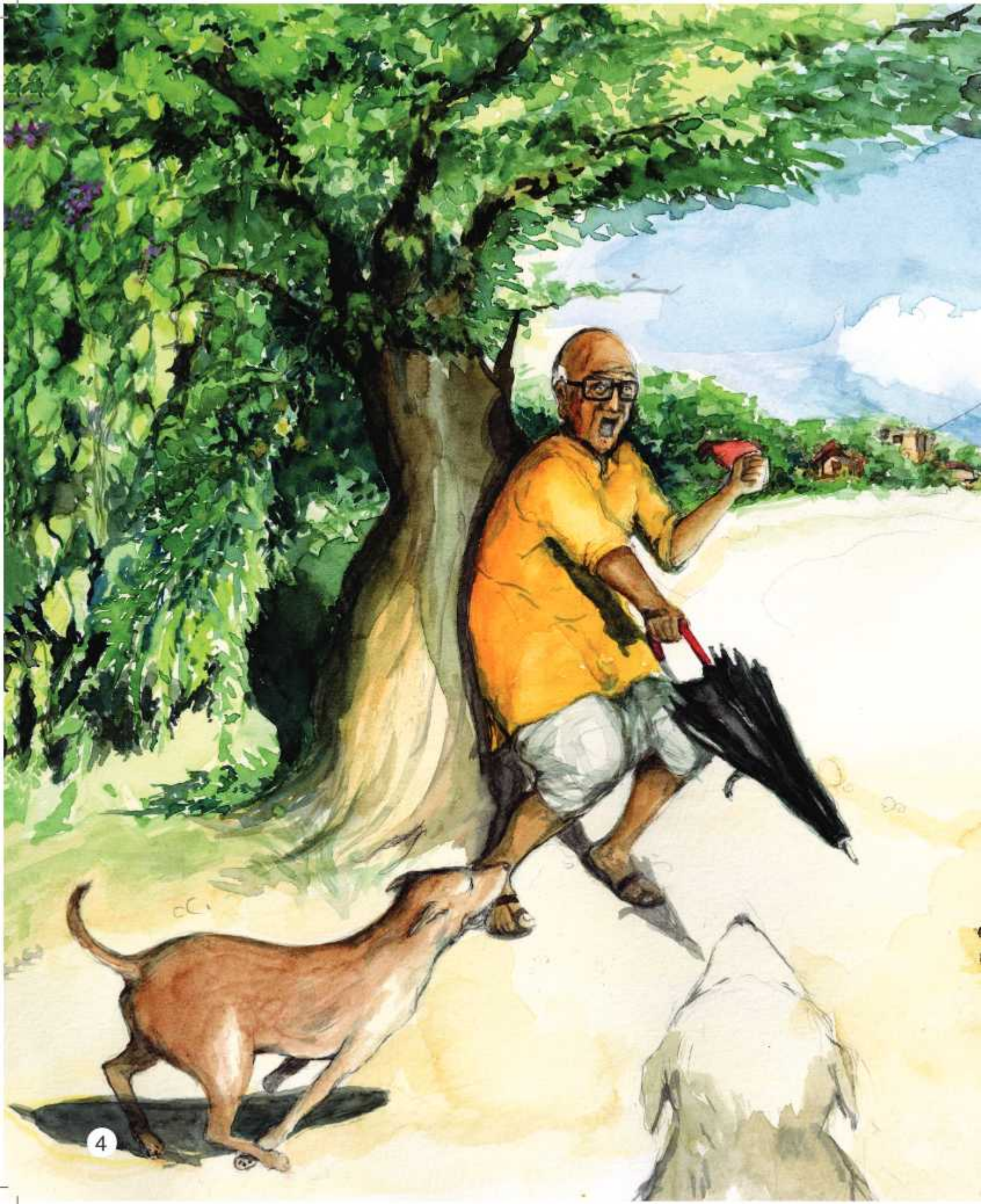

जब कुत्ते पीछे पड़ते, उन्हें दूर भगाता
दादाजी का छाता।

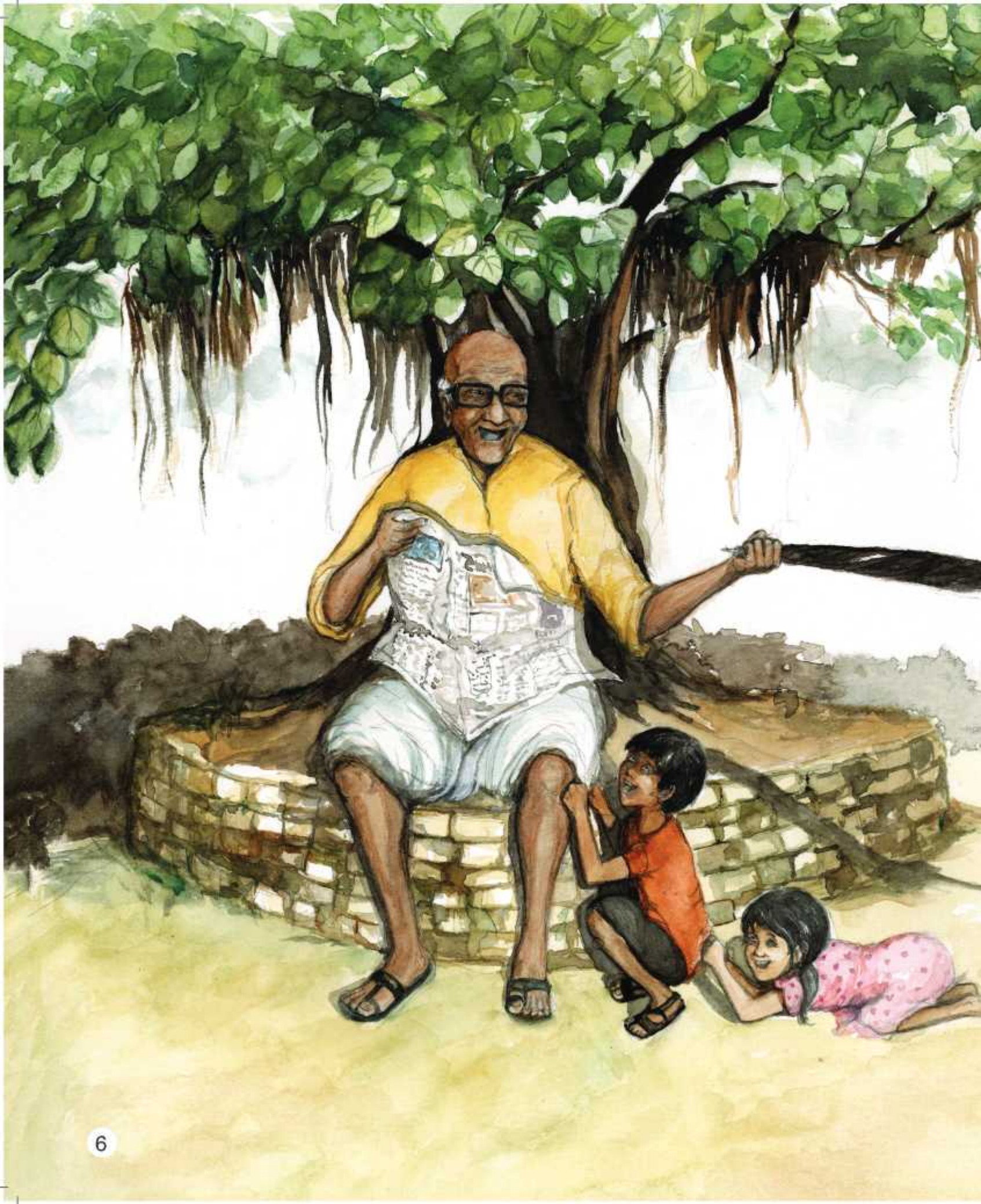

बच्चे करते शैतानी, उनको है खूब डराता
दादाजी का छाता।

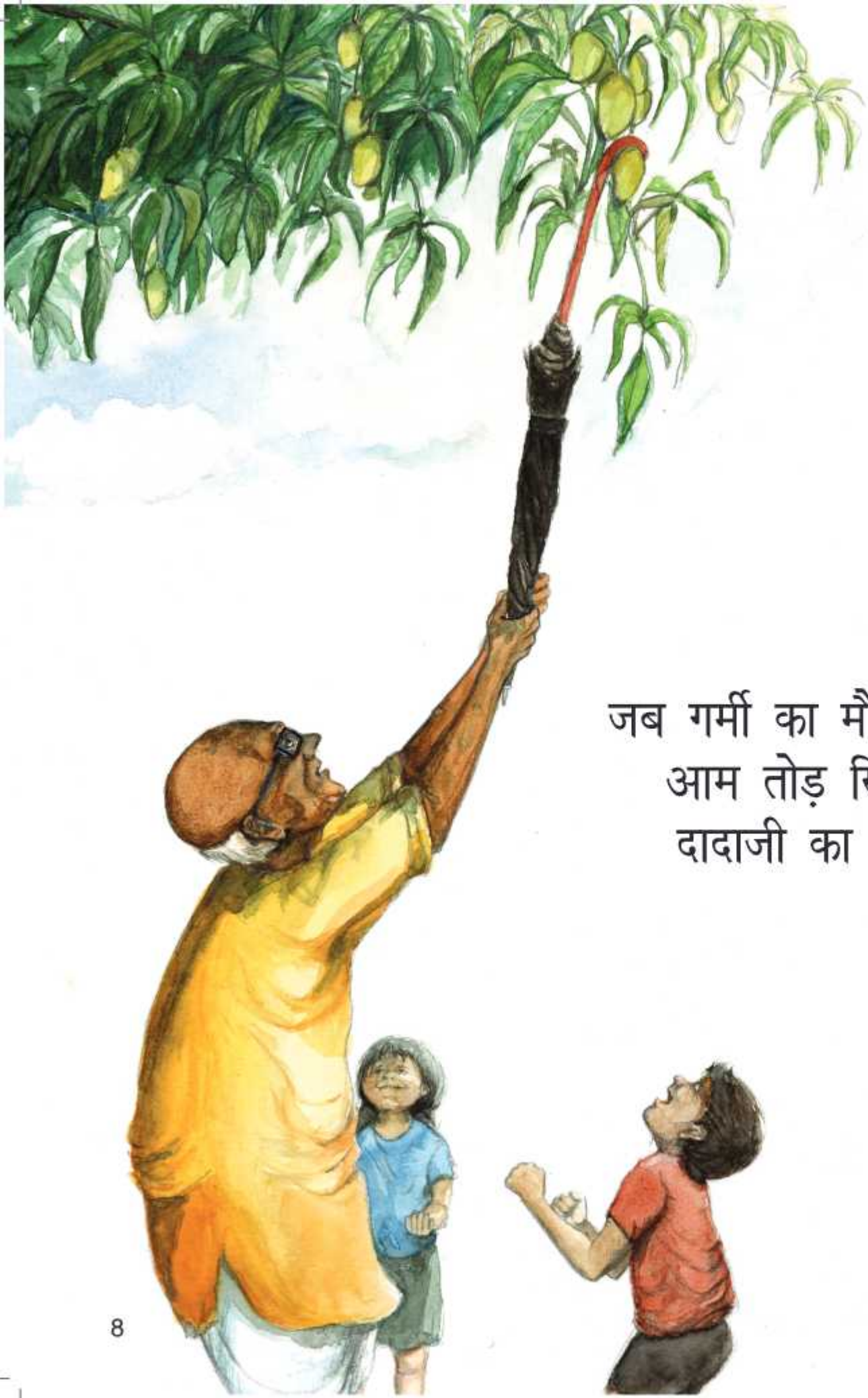

जब गर्मी का मौसम आए,
आम तोड़ खिलाता
दादाजी का छाता।

जब तेज़ हवा है चलती,
उल्टा-पुल्टा हो जाता
दादाजी का छाता।

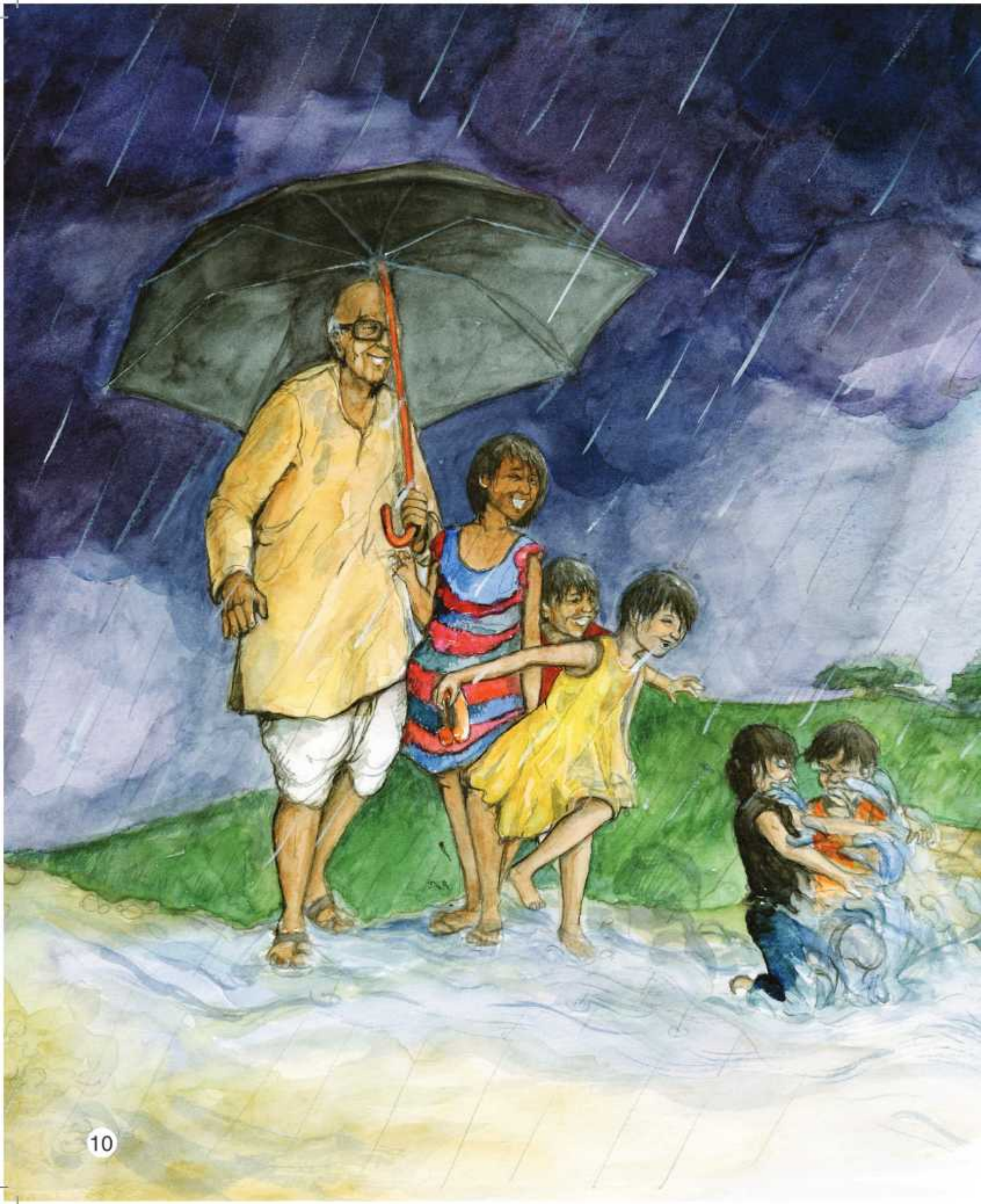

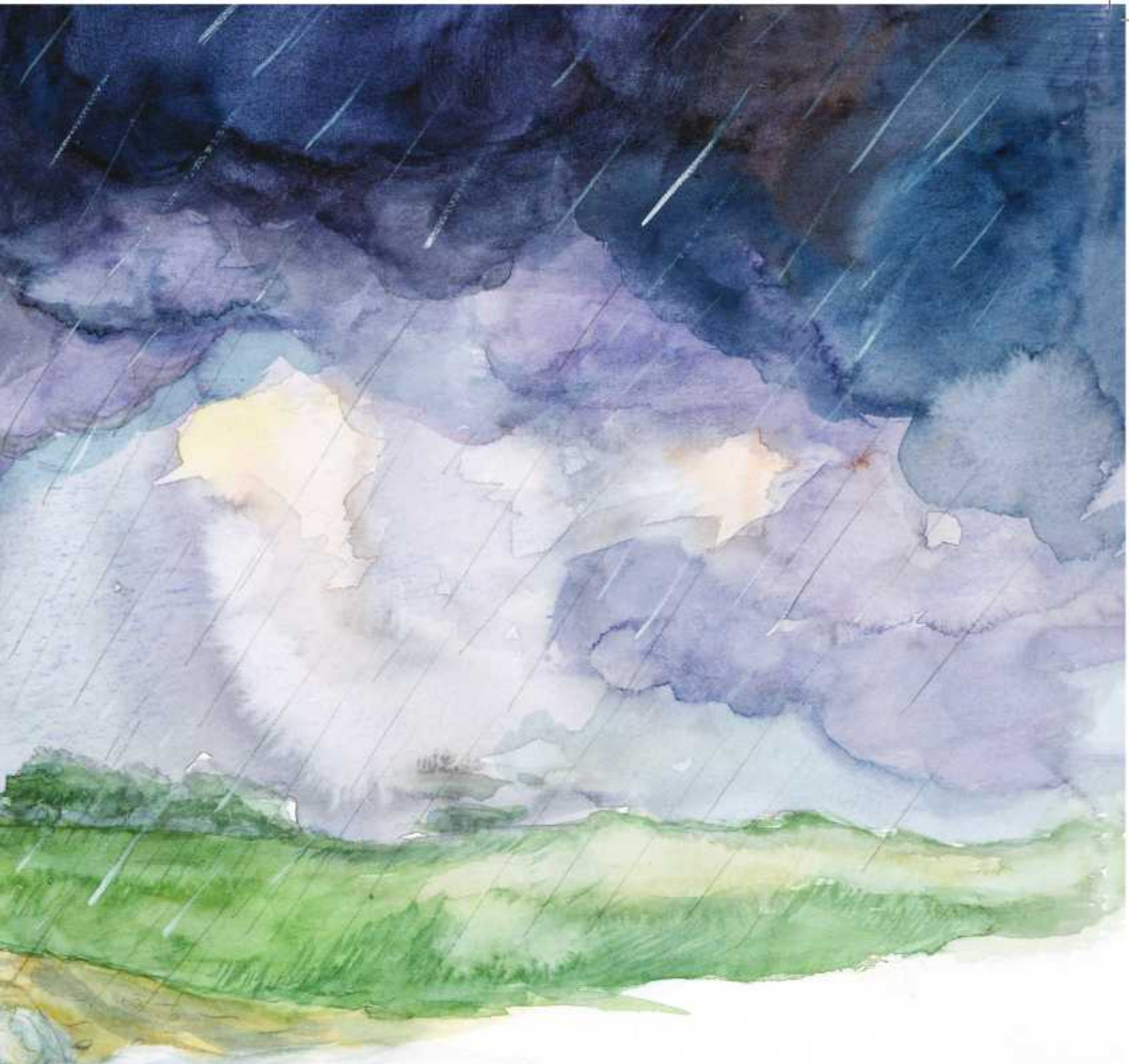

जब पानी छम-छम बरसे, बारिश से हमें बचाता
दादाजी का छाता।

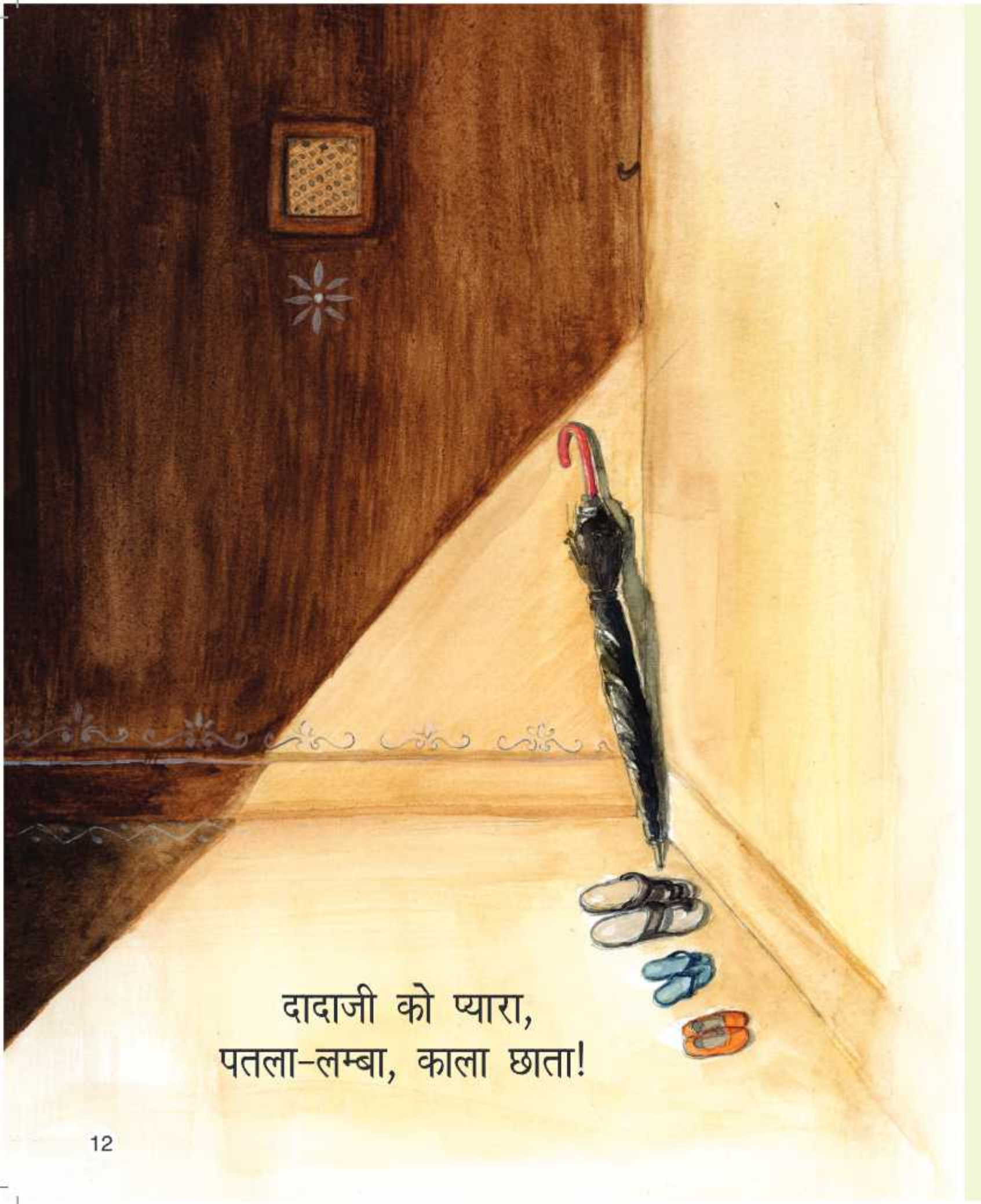

दादाजी को प्यारा,
पतला-लम्बा, काला छाता!

प्रकाशक: रूम टू रीड इंडिया
Publisher: Room to Read India

भाषा: हिंदी
Language: Hindi

संस्करण: प्रथम, 3500 प्रतियाँ
Edition: First, 3500 Copies

प्रिंटर:
Printer:

लेखक: बिन्दु गुप्ता

बिंदु गुप्ता ने दिल्ली विश्वविद्यालय से प्राथमिक शिक्षा में स्नातक और स्नातकोत्तर की उपाधि हासिल की है। आजकल वह दिल्ली के एक प्राथमिक स्कूल में हिंदी पढ़ा रही हैं। इन्हें बच्चों से कहानी सुनने में बहुत मज़ा आता है और उनके लिए लिखना बहुत ही उत्साहित करता है।

Author: Bindu Gupta

Bindu Gupta has both bachelor's and master's degrees in education from Delhi University. Currently, She is teaching Hindi in a primary school in Delhi. She is fond of listening to stories from children and writing for them motivates her.

चित्रकार: देबारती सादा

खड़गपुर, पश्चिम बंगाल में पली बढ़ी देबारती सादा ने कोलकाता से रसायन शास्त्र में एम.एससी. की उपाधि प्राप्त की है। उन्होंने दो वर्ष तक एक गैर सरकारी संस्था में शिक्षकों व बच्चों के साथ काम किया है। उन्हें बच्चों के लिए चित्रांकन करना बहुत पसंद है और वे रियाज अकादमी में चित्रांकन का अध्ययन कर रही हैं। अपने खाली समय में बेकिंग करती हैं व रूप चित्र बनाती हैं।

Illustrator: Debarati Sada

Born and brought up in Kharagpur. West Bengal, Sada completed her M.Sc. in chemistry in Kolkata. She has worked with an NGO for two years in the education sector with teachers and children. She loves to illustrate for children and is currently pursuing an advanced illustration course from Riyaz academy. In her free time, she bakes and draws portraits.

आइये दादाजी के साथ घूमने चलें और पता लगाएँ कि उन्हें अपना लम्बा, काला, साथ निभाने वाला छाता क्यों पसंद है।
क्या आपके दादाजी के पास भी ऐसा छाता है?

Let's go for a walk with Grandpa, and find out why he loves his long, black, faithful umbrella! Does your Grandpa have one, too?

9 789386 808349

SCERT
समग्र शिक्षा
सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा
Room to Read
World Change Starts with Educated Children